आचार्य महाप्रज्ञ ने घोषित किया 2013 का चतुर्मास

मोमासर 18 अप्रेल : बीदासर वासियों की जोरदार अर्ज पर राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने 2013 का चतुर्मास करने की स्वीकृति प्रदान की। बडी संख्या में पहुंचें बीदासर एवं महानगरों में प्रवास करने वाले श्रावक समाज ने तेरापंथ आचार्यो के 24 चतुर्मास एवं 24 मर्यादा महोत्सव होने की जानकारी देते हुए 25वें चतुर्मास के लिए 2013 में पधारने की अर्ज की। इस अर्ज पर आचार्य महाप्रज्ञ ने अभी लम्बा समय शेष होने की बात करते हुए कहा कि बीदासर को समय आने पर प्राथमिकता में रखा जायेगा। इस पर बीदासर के श्रावक समाज ने खडे होकर अपनी झोली गुरू चरणों में फैला दी एवं चतुर्मास फरमाने का निवेदन किया। आचार्य महाप्रज्ञ ने उनके भावपूर्ण एवं बालहठ की तरह किये गए निवेदन पर द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव एवं स्वास्थ्य की अनुकुलता रहने पर 2013 का चतर्मास बीदासर में करने की घोषणा की। इस घोषणा के साथ ही श्रावक समाज़ में खुशी की लहर दोड गई एवं जयकारों से पूरे पण्डाल को गुंजायमान कर दिया।

मुनि मुदितकुमार, साध्वी विमलप्रज्ञा, साध्वीशुभ्रयशा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सम्पतमल बैद, जवंरीमल बैगांनी, झुमरमल बैगानी, नगरपालिका अध्यक्ष सावित्रि देवी सोनी, चूरू जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष मेघराज सांखला, मोहनलाल चोरडिया मंत्री जैन श्वेताम्बर, मालचंद कोठारी उपाध्यक्ष , मदनलाल मणोत, विमलकुमार जैन, श्रीमति शांतिदेवी बैगांनी अध्यक्ष महिला मण्डल, अशोक कुमार बोथरा अध्यक्ष तेयुप, संजयकुमार चोरडिया मंत्री तेयुप, नोरतमल गिडिया, जेसराज सेरवानीं, भैरोदान बच्छावत, महावीर प्रसाद दुगड, धर्मचंद सोनी, राजकुमार सोनी, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ कन्या मण्डल द्वारा की गई विभिन्न दलिलों के साथ से की गई अर्ज ने बींदासर वासियों में उत्साह का संचार किया। प्रत्येक अर्ज श्रावक समाज नें ओम अर्हम की अर्ज ध्वनी के साथ आचार्य महाप्रज्ञ ने युवाचार्य महाश्रमण से चर्चा करने के बाद बीदासर वासियों के उत्साह को देखते हुए अपनी मर्जी दी।उन्होने आचार्य तुलसी की जन्म शताब्दि वर्ष का शुभारम्भ बीदासर से करने की घोषणा की। इस वर्ष को व्यक्तित्व निर्माण वर्ष के रूप में मनाया जायेगा । और लाडनूं इसके आयोजन का मुख्य केन्द्र रहेगा।

युवाचार्य महाश्रमण ने गीता पर प्रवचन करते हुए कहा कि शौर्य, तेजस्वीता,धैर्य,दक्षता,ऐश्वर्य आदि को धारण करने वाला व्यक्ति क्षेत्रीय होता है, क्षत्रिय पुरूष कायरता नही दिखाता, जलते हुए अंगारों की तरह तेजस्वी जीवन जीता है, उत्तेजना अधीरता,आवेश में कोई निर्णय नही लेता। कार्य कुशल होता है और प्रभुसत्ता से सम्पन्न होता है। जो गीता के 18वें अध्याय में बताये हुए इन रहस्यों को जीवन में उतारता है वह जन्म से क्षेत्रिय न होते हुए भी कर्म से क्षेत्रीय होता है। उन्होने राजा के कर्तव्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सज्जनों की रक्षा करना, दुर्जनों पर अनुशसन करना और आश्रितों का भरण पोषण करना राजा के कर्तव्य हैं। युवाचार्य ने राज्यसभा,लोकसभा में पहुचनें वाले जनप्रतिनिधियों को संबोध देते हुए कहा कि राज्याधिकार प्राप्त होने के बाद जो प्रजा की सेवा नहीं करता उसका जन्म एवं राज्याधिकार मिलना निरर्थक है।

पारिवारीक सौहार्द शिविर जारी

आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में रात्रीकालिन पारिवारीक सौहार्द शिविर स्थानीय मरूदेवा अतिथि गृह में जारी है। मुनि किशनलाल के निर्देशन में चलने वाले इस शिविर में मुनि कुमार श्रमण, मुनि हिमांशुकुमार, मुनि नीरजकुमार ने प्रेक्षाध्यान, अनुप्रेक्षा का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया एवं पारिवारीक सौहार्द के विषयों पर चर्चा की ।

प्रबुद्धजनों की संगोष्ठि में लिया संकल्पबल

शनिवार को मोमासर में हुई प्रबुद्धजन संगोष्ठी में ग्राम विकास पर चर्चा की गई और उपस्थित प्रबुद्धजनों ने मोमासर ग्राम के शिक्षा,चिकित्सा,पर्यावरण के अलावा जहां गांव पिछड रहा है उसका विकास करने का निर्णय लियां गया और उनसे जुडे अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई। इस संगोष्ठि को युवाचार्य महाश्रमण, मुनि किशनलाल, मुनि रजनीशकुमार, मुनि कुमारश्रमण, तेरापंथ प्रोफेशनल फार्म के अखिल भारतीय महामंत्री, कन्हैयालाल जैन, आदि ने संबोधित किया एवं प्रबुद्धजनों ने अपने अनुभवों से अवगत कराया। संचालन तेरापंथ सभा के मंत्री सुखराज सेठिया ने किया और आभार कमल पटावरी ने व्यक्त किया।